बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - १७ जून, २००७)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)	सत्संग परिचय - 1	कुल प्राप्तांक : ७५

सूचना : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम आवृत्ति, जनवरी २००१

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''तुम्हारी जो यह साधुता है वह प्रत्युत्तर के लिए पर्याप्त है ।'' १०३
२. ''यदि शक्य हो तो आप मुझे अपना दर्शन देने पधारिए?'' १५८
३. ''हम ऐसे राजसिंहासन सरीखे उँचे आसन पर बैठें यह उचित नहीं है ।'' ५७

प्रश्न.२. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (६ गुण)

१. महाराज ने सोनबाई का अन्न खाया । ९०
२. दीव बंदर के हरिभक्त को महाराज के स्वरूप का निश्चय हो गया ।' १५
३. महाराज की दृष्टि से कोई बच नहीं सकता था । १२१

प्रश्न.३. निम्नलिखित किन्हीं एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१२ पंक्ति में) (५ गुण)

१. छः हेतु । १०९
२. मोक्ष की विद्या। ७७
३. गवर्नर माल्कम से भेंट । १५२

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (५ गुण)

१. मूलजी शर्मा ने साकरबा को यज्ञोपवीत के गीत गाने के लिए क्यों कहा ? ४३
२. कितने वर्षों के बाद महाराज और सुवासिनी भाभी का मिलन हुआ? १२४
३. महाराज ने मेमका के कौन से चार हरिभक्तों को गाँव छोडने की आज्ञा की ? २६
४. महाराज ने आधारानंद स्वामी के पास क्या तैयार करवाया ? । १००
५. महाराज ने कुछ वस्त्र राजा के और कुछ साधु के वस्त्र धारण करके सभा में क्या पूछा ? १२०

प्रश्न.५. निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (४ गुण)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. 'शिक्षापत्री' का उल्लंघन मत करना । १४४
(१) ☐ सौ जन्म का दुःख दूर होगा । (२) ☐ आप यहाँ से निक्ल जाइए ।
(३) ☐ किसकी अनुमति से आप दहलीज़ में दाखिल हुए ? (४) ☐ ये जुनागढ के महंत ।

२. श्रीजीमहाराज ने किसको विमुख किया ? २७
(१) ☐ हरबाई-वालबाई । (२) ☐ जगजीवनदास । (३) ☐ कडवीबाई । (४) ☐ रघुनाथदास ।

प्रश्न.६. निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (५ गुण)

१. ..... ने महाराज को सेवा का हिस्सा दिया । ७१
२. आत्माराम दर्जी ने ..... में महाराज को सुन्दर कुर्ता अर्पण किया । १४९
३. महाराज ने परमहंसों को ..... जैसे कहे । ८९
४. कठपूतली के नायक ने ..... को कहा, ''हमारे सबके नाड़ी-प्राण आप के हाथ में है ।'' १११
५. वरताल में महाराज ने ..... नाम देकर मूर्ति स्थापित की । १२६

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम आवृत्ति, जुलाई २०००

प्रश्न.७. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (९ गुण)

१. ''क्या यह सत्य है कि दुर्वासा ने गोपियों द्वारा ले जाए गए सभी खाद्य पदार्थ स्वयं अकेले ही खा लिये थे ?'' ४७

(पृष्ठ पलटिये)

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक १७ जून, २००७; परीक्षा - सत्संग परिचय - १; माध्यम - हिन्दी; समय - सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है।

५०१

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : ☐☐☐☐☐☐

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : ☐☐☐☐

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर : केंद्र का नाम :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें। सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।

२. ''तुम जूते नहीं पहनोगे और गुड़ जैसे मीठे और चिकने पदार्थ नहीं खाओगे ।'' २५

३. ''इन त्यागियों के सामने मेरी कुछ चलती नहीं है ?'' ६९

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए ।(दो से तीन पंक्ति में) (४ गुण)

१. शास्त्रार्थ करने के लिए अहमदाबाद गये हुए पंडितों के होश उड गए । ७

२. शास्त्रीजी महाराज का तार मिलते ही डांगरा पहुँच गए । ६४

प्रश्न.९. निम्नलिखित एक के बारे में प्रमाणसर विवरण लिखिए । (१५ पंक्ति में) (५ गुण)

१. दादा खाचर का समर्पण भाव । ३८

२. वळी सौ सांभलो ..... पद का हार्द लिखिए । २१

३. सुतारबाई द्वारा महाराज को दिया गया उलाहना । २६

प्रश्न.१०. निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (४ गुण)

१. जूनागढ के नवाब ने ग्वालियर के गवैये को क्या क्हा ? १६

२. अयोध्याप्रसादजी महाराज ने गुणातीतानंद स्वामी का दर्शन करके क्या क्हा ? ३४

३. परमात्मा का साक्षात्कार करने के लिए दिनमणि के मतानुसार क्या आवश्यक है ? १

४. महाराज कितने वर्ष दादाखाचर के दरबार में रहे ? ४३

प्रश्न.११. निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल पाँच सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । (५ गुण)

विषय :- अखंड चिंतवन । २३

१. इस प्रकार भगवान की मूर्ति का चिंतवन हो तो उसे साष्टांग प्रणाम करें । **२.** वासुदेवनारायण के कमरे में श्रीजीमहाराज के साथ सभा में मूलजी ब्रह्मचारी बैठे थे । **३.** तुम इस पर तेल चुपड़ दो । **४.** महाराज को सिंहासन सहित उठाकर नीम के पेड के नीचे लाया गया । **५.** वशरामभाई को तेल चुपड़ने के लिए जूते दिए । **६.** यह ब्रह्मचारी तीनों अवस्थाओं में हमारा ध्यान करते हैं । **७.** सुतार की बाई ने महाराज को उलाहना दिया । **८.** महाराज का प्रकरण - सभा में सो जाय उसे बेरखा मारना । **९.** ब्रह्मचारी उसी क्षण से महाराज की सेवा में लग गए । **१०.** ब्रह्मचारी को स्वप्नावस्था में मकान जलता हुआ दिखाई दिया । **११.** श्रीजीमहाराज ने मूलजी ब्रह्मचारी को विमुख किया ।

केवल नंबर - ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्रश्न.१२. निम्नलिखित वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए । (४ गुण)

१. दादा खाचर का अग्नि संस्कार पूरा हो जाने के पश्चात् ग्रहण लगा । २९

२. महाराज ने 'प्रेमसखी' नाम की जगह 'प्रेमानंद' रखा। १३

३. भावनगर के महाराजा वजेसिंह ने जीवा खाचर के कहने से दादा खाचर को उलाहना देने का निश्चय किया । ४०

४. महाराज ने तेजा ठक्कर से भैंस खरीद ली । ४८

विभाग-३ : निबंध

प्रश्न.१३. निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। (१० गुण)

१. परमात्मा के प्रेम और ज्ञान-खजाने की चाबी : मंदिर ।

२. प्रमुखस्वामी महाराज - नई पीढी के विश्वकर्मा ।

३. अद्वितीय आचारग्रंथ - शिक्षापत्री ।

सूचना : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और एक निबंध दिनांक १५ जुलाई, २००७ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।

❋ ❋ ❋